आकाशवाणी पोर्ट ब्लेयर

दिनांक : 08.10.2023 समय : 0705

<><><><><><><>

- उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने आज भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस पर वायुसेना के सभी कर्मियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी है।
- उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने अंडमान निकोबार कमान के तेईसवे स्थापना दिवस के अवसर पर कमान के सभी कर्मियों और उनके परिजनों को अपनी शुभकामनाएं दी।
- अंडमान निकोबार कमान आज अपना तेईसवां स्थापना दिवस मना रही है।

और

- वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन की अध्यक्षता में कल नई दिल्ली में वस्तु और सेवाकर–जीएसटी परिषद की बावनवीं बैठक हुई।

<><><><><><><>

उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने आज भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस पर वायुसेना के सभी कर्मियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दी है। उप–राज्यपाल ने कहा कि आकाश में राष्ट्र के हितों की रक्षा करने और सुरक्षा सुनिश्चित करने में भारतीय वायुसेना ने निरंतर अपने दृढ़ संकल्प, समर्पण और उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया है। हमारे वायुसेना के योद्धाओं के उल्लेखनीय योगदान और शानदार उपलब्धियों ने राष्ट्र को गौरवान्वित करने का अवसर प्रदान किया है। शांति के समय हो या आपदा, भारतीय वायुसेना हमेशा साहस और दक्षता के स्वरूप के रूप में खड़ी रही है। आपदा में राहत अभियान चलाने, मानवीय मदद और सरहदों की सुरक्षा में वायुसेना के अथक प्रयास सराहनीय है। वायुसेना बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य के साथ उभर रही है और संचालन के नए मानकों को स्थापित कर रही है। उप–राज्यपाल ने इस अवसर पर देश सेवा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर शहीदों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि शहीदों की निःस्वार्थ सेवा और साहस हमें सदा प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने वायुसेना के सभी कर्मियों से उत्कृष्टता की ओर कदम बढ़ाते रहने और अखंडता जैसे मूल्यों के साथ आकाश के रक्षक की भूमिका को भलीभांति निभाते रहने को कहा। उप–राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र के प्रति वायु सेना की समर्पित सेवा सराहनीय है।

<><><><><><><>

उप–राज्यपाल एडमिरल डी के जोशी ने अंडमान निकोबार कमान के तेईसवे स्थापना दिवस के अवसर पर कमान के सभी कर्मियों और उनके परिजनों को अपनी शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि देश के सामरिक ढ़ाचे में अंडमान निकोबार द्वीपसमूह के महत्व को अतिशयोक्ति नहीं कहा जा सकता। हिन्द महासागर क्षेत्र में बाहरी क्षेत्रीय ताकतों के बढ़ते हितों और गतिविधियों को देखते हुए देश की इस

संयुक्त कमान की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। वर्ष दो हजार एक में अपनी स्थापना के साथ ही कमान ने राष्ट्र के प्रति अपने अदम्य साहस और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन किया। कमान की पिछले कुछ वर्षों की उपलब्धियां इसके कर्मियों के समर्पण और दक्षता की गवाह है। समय के साथ कमान की संचालन क्षमताओं में भी वृद्धि हुई है और यह द्वीपों की सुरक्षा का अग्रणीय हिस्सा बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि उप–राज्यपाल के रूप में पिछले छह वर्षों के कार्यकाल के दौरान प्रशासन और नागरिकों को कई प्रकार से सहयोग प्रदान करने में कमान ने अपनी अंगरक्षक की भूमिका निभाई है। इनमें चिकित्सीय सुविधा प्रदान करना, राहत और बचाव अभियान, सुदूर द्वीपों में कल्याणकारी पहल, समुदाय के साथ जुड़ने के लिए कार्यक्रम तथा पुलिस कर्मियों और सामान को लाने–ले जाने जैसी सेवाएं शामिल है। हाल ही में कमान द्वारा गांव को गोद लेकर स्थानीय युवाओं के कौशल का विकास कर रोज़गार पाने में सहायता उपलब्ध कराना सही दिशा में उठाया एक कदम है। उप–राज्यपाल ने कहा कि द्वीपवासियों के कल्याण और सुरक्षा के लिए प्रशासन तथा अंडमान निकोबार कमान एक साथ मिलकर आगे भी कार्य करते रहेंगे। द्वीपों में कमान की उपस्थिति और प्रभाव स्थानीय जनता को पूरी तरह से आश्वस्त रखता है। उप–राज्यपाल ने क्षेत्र को सुरक्षित रखने और समुदाय की सहायता करने के लिए कमान के मूल्यवान प्रयासों की सराहना की है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार कमान आज अपना तेईसवां स्थापना दिवस मना रही है। इस अवसर पर आज सुबह नौ बजे आई एन एस उत्क्रोश में परेड का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व कल पोर्ट ब्लेयर में एयर शो आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कमांडर–इन–चीफ एयर मार्शल साजू बालाकृष्णन मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। सेना की सिख रेजिमेंट ने पाइप बैंड पर अपनी शानदार प्रस्तुति देकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में शामिल हुए सुखोई–तीस लड़ाकू विमान द्वारा हवा में दिखाए गए करतबों ने उपस्थिति को रोमांच से भर दिया। वायु सेना, नौसेना और तटरक्षक के डोर्नियर विमानों ने भी उड़ान भर अपना प्रदर्शन किया। इससे पूर्व नौसेना के मरीन कमांडो के एक दस्ते ने ALH हेलीकॉप्टर से नीचे उतर कर आतंकवादियों के कब्जे से पीड़ित को छुड़ाने का निदर्शन करके दिखाया। अंडमान निकोबार कमांड के वरिष्ठ अधिकारियों सहित कई अन्य लोग इस एयर शो को देखने आई.एन.एस उत्क्रोश पहुंचे। बड़ी संख्या में जॉगर्स पार्क में भी पहुंचकर लोगो ने इसका आनंद उठाया। शाम को मरीना पार्क के सामने समुद्र में खड़े जहाजों पर रोशनी की गई।

<><><><><><><>

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन की अध्यक्षता में कल नई दिल्ली में वस्तु और सेवाकर–जीएसटी परिषद की बावनवीं बैठक हुई। बैठक के बाद वित्तमंत्री ने बताया कि जीएसटी अपीलीय अधिकरण के अलावा बाजरा तथा शीरे पर जीएसटी की दरों के बारे में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। परिषद ने शीरे पर जीएसटी अटठाईस प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत करने का फैसला लिया है, जिससे गन्ना

किसानों को फायदा होगा। वित्तमंत्री ने कहा कि सत्तर प्रतिशत बाजरा युक्त आटा खुले में बेचे जाने पर उस पर कोई जीएसटी नहीं लगेगा। लेकिन अगर इसे पैक करके या लेबल लगाकर बेचा जाता है तो इस पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगेगा। परिषद् ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विदेशी ध्वज वाले विदेशी जहाज़ को तटीय मार्ग में परिवर्तन करने पर सशर्त और सीमित अवधि की आई जी एस टी छूट की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि जीएसटी अपीलीय अधिकरण के अध्यक्ष की अधिकतम आयु सीमा सड़सठ वर्ष से बढ़ाकर सत्तर वर्ष कर दी गई है, वहीं न्यूनतम आयु सीमा पचास वर्ष रखी गई है। सदस्यों के लिए आयु सीमा पैंसठ से बढ़ाकर सड़सठ वर्ष कर दी गई है। अधिकरण में न्यायिक सदस्य के रूप में नियुक्त किये जाने वाले अधिवक्ताओं के लिए दस वर्ष का न्यूनतम अनुभव अनिवार्य बनाया गया है।

<><><><><><><>

अंडमान निकोबार पुलिस ने साइबर अपराध की शिकायत दर्ज करने के लिए हेल्पलाईन नम्बर जारी किया है। धोखाधड़ी का शिकार हुए लोगों को एक नौ तीन शून्य या नौ पांच तीन एक आठ पांच छह शून्य आठ तीन पर डायल करने को कहा गया है। इसके अलावा साइबर क्राईम डॉट जी ओ वी डॉट इन पर जाकर भी विवरण दर्ज कर शिकायत की जा सकती है।

<><><><><><><>